प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – दसवीं
सेट–डी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों का चयन कर कीजिए।

1. तुलसीदास जी के गुरू का नाम.....था।
   (नरहरिदास / वल्लभाचार्य)
2. मीरा ने.....रूपी धन पा लिया था।
   (रामरतन / हीरे–मोती)
3. मेरी जीवन रेखा.....निबंध है।
   (आत्मकथात्मक / व्यंग्यात्मक)
4. मुस्कान में एक प्रकार का.....है।

(सम्मोहन / संशोधन)

5. निबंध को.....की कसौटी कहा जाता है।

(गद्य / पद्य)

प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) मगध का सेनापति था –

(अ) अशोक (ब) गोपाल

(स) अमिता (द) सुनिता

(2) होली में अम्बर कैसा हो गया –

(अ) नीले रंग का (ब) पीले रंग का

(स) लाल रंग का (द) काले रंग का

(3) 'तुम वही दीपक बनोगे' कविता सम्बोधित की गई है –

(अ) सैनिकों को (ब) शिक्षकों को

(स) मजदूरों को (द) युवा पीढ़ी को

(4) समास का शाब्दिक अर्थ होता है –

(अ) दो स्वरों का मिलन (ब) दो वर्णों का मिलन

(स) दो शब्दों का मिलन (द) दो ध्वनियों का मिलन

(5) 'सूर्य' का तद्भव शब्द है –

(अ) सूरज (ब) भानु

(स) भास्कर (द) दिनकर

प्रश्न 3. स्तंभ 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	जो बहुत बोलता हो	–	देश का मुकुट
(2)	लम्बोदर	–	वाचाल
(3)	हास्य व्यायाम	–	बहुब्रीहि समास
(4)	गोश्रीनगर	–	मुंह की मांस पेशियों से

(5) हिमालय – केरल

– व्यंग्य

– भक्ति कालीन कवि

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य का चयन कीजिए –

1. ''स्कूल'' देशज शब्द है।
2. ''मित्र'' का पर्यायवाची चंद्र है।
3. कुटुम्ब एक छोटा वृक्ष है।
4. सूरदास की भाषा अवधी है।
5. मीरा के प्रभु पर्वत को अपनी उंगली में धारण करने वाले श्रीकृष्ण है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :–

1. भारत का स्वर्ग किसे कहा जाता है?
2. 'अक्षय वट' किसे कहा गया है?
3. भाग्य के भरोसे कौन नहीं रहता है?
4. ''जो बीत चुका हो'' शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए।
5. 'ईद का चांद' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

प्रश्न 6. घर आये मेहमान का स्वागत किसान किस प्रकार करता है? किसान को सच्चा हितैषी क्यों कहा गया है?

अथवा

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिये मुस्कराना क्यों आवश्यक है? मुस्कराने से क्या लाभ है?

प्रश्न 7. अशोक क्या प्राप्त करना चाहते थे? अशोक ने कौन सी प्रतिज्ञा की?

अथवा

वक्त सबके लिये बराबर है' पंक्ति को लेखक श्री मन्नारायण अग्रवाल ने किन उदाहरणों से समझाया है?

प्रश्न 8. कहानी की परिभाषा लिखिए एवं किन्ही दो कहानी एवं उनके कहानीकारों के नाम लिखिए।

अथवा

निबंध की परिभाषा देते हुए किन्हीं दो निबंधकारों के नाम तथा उनके एक–एक निबंध का नाम लिखिए।

प्रश्न 9. प्रसाद जी के नाटकों की कोई दो विशेषता लिखते हुए उनके दो नाटकों के नाम लिखिए।

अथवा

उपन्यास सम्राट किसे कहते है? दो प्रमुख उपन्यासों के नाम एवं उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(1) अंधे की लाठी

(2) मिट्टी में मिलना

(3) लोहा मानना

अथवा

लोकोक्ति किसे कहते है? लोकोक्ति का कोई एक उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 11. निम्नलिखित वाक्यों में कोई दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए –

(1) मेरे पास अनेकों पुस्तकें हैं।

(2) मुझे आटा पिसवाने जाना है।

(3) एक फूल की माला लाओ।

अथवा

पूर्ण विराम का प्रयोग कहां किया जाता है? उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित शब्दों के (दो–दो) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(1) चन्द्रमा

(2) सूर्य

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(1) उदारता

(2) सरस

प्रश्न 13. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

(1) भ्राता

(2) भ्रमर

अथवा

निम्नलिखित शब्दों की संधि विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए।

(1) मतानुसार

(2) जगदीश

प्रश्न 14. निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाइए तथा समास का नाम लिखिए।

(1) दश आनन है जिसके

(2) हाथ से लिखित

अथवा

यथा निर्देश वाक्य परिवर्तन कीजिए।

(1) कश्मीर बहुत सुंदर है। (विस्मयादि बोधक)

(2) तुम विद्यालय जाओगे। (आज्ञा वाचक)

प्रश्न 15. निम्नलिखित शब्द वर्तनी की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है, इन्हें शुद्ध रूप में लिखिए।

(1) पूज्यनीय

(2) अर्शीवाद

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

(1) नाच

(2) घर

प्रश्न 16. शबरी ने अपने आश्रम में पधारे श्रीराम–लक्ष्मण का सत्कार कैसे किया?

अथवा

मनुष्य की पीड़ा गूंगी होकर भी गाने में क्यों असमर्थ है, 'इस नदी की धार में' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 17. मीरा ने 'रामरतन' धन को अमोलक धन क्यों कहा है?

अथवा

'तुम्हारी विरासत' कविता हमें क्या संदेश देती है?

प्रश्न 18. कर्मवीर मनुष्य की चार विशेषताएं कविता के आधार पर लिखिए।

अथवा

'वह देश कौन सा है' कविता में वर्णित भारत देश की कोई चार विशेषताऐं लिखिए।

प्रश्न 19. ''गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए'' यह पंक्ति 'माटीवाली' कहानी में किस संदर्भ में कही गई है?

अथवा

'अरविंद दिव्य संस्कारों के धनी थे' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 20. लेखक ने डल झील को कश्मीर की शान क्यों कहा है?

अथवा

'सूखी डाली' एकांकी का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 21. संस्कृति जीवन के लिए आवश्यक क्यों है?

अथवा

द्विवेदी जी अपने कौन से चार सिद्धांत निश्चित किए और उनका पालन करने में वे कहां तक सफल हुए?

प्रश्न 22. 'इस नदी की घार में' गजल का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'सत् की नाव खेवटिया सतगुरू' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 23. ''कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी बड़ी सभी डालियां उसकी छाया को बढ़ाती है'' इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

''प्रकृति परमात्मा का ही एक रूप है'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 24. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।
वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरू,
करि किरपा अपनायो।
जनम जनम की पूंजी पायी, जग में सवै खोवायौ।

खरचे नहिं कोई चोर न लैवे, दिन–दिन बढ़त सवायौ।
सत की नाव खेवटिया सतगुरू, भव सागर तरि आयौ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरख–हरखि जस गायौ।

अथवा

पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया,
शिक्षित किया सुधारा, वह देश कौन सा है?
छोड़ा स्वराज्य तृणवत, आदेश से पिता के,
श्रीराम थे जहां पर, वह देश कौन सा है?

प्रश्न 25. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वृक्ष धरती का श्रृंगार है। सभी वृक्ष मरने से पहले संतान छोड़ जाते है। बीज ही गाय बिरछ की संतान है। बीज की सुरक्षा व सार–संभार के लिए पेड़ फूल की पंखुड़ियों से घिरा एक छोटा सा घर तैयार करता है। फूलों से आच्छादित होने पर पेड़ कितना सुंदर दिखलाई पड़ता है। जैसे फूल–फूल के बहाने वह स्वयं हंस रहा हो। सोचने में कितना सुंदर लगता है कि गाय बिरछ तो मटमैली माटी से विषाक्त वायु से अंगारक ग्रहण करते है, फिर इस अपरूप उपादान किस तरह ऐसे सुंदर फूल प्रदान करते है। ये फूल प्रकृति का मानव मात्र पर स्नेह बरसाने का साधन है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
प्रश्न 2. गद्यांश में प्रयुक्त निम्न शब्दों के विलोम लिखिए– सुंदर, स्नेह।
प्रश्न 3. प्रकृति का मनुष्य पर स्नेह बरसाने का साधन कौन सा है?
प्रश्न 4. बदले में वृक्ष प्रकृति से क्या लेते है?
प्रश्न 5. धरती के श्रृंगार क्या है?

प्रश्न 26. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी काली संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतरण है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का?

प्रश्न 1. पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 2. फसल पर किसका जादू चलता है?

प्रश्न 3. उक्त पद्यांश में कवि ने फसल के लिए किसके स्पर्श की महिमा बताई है?

प्रश्न 4. मिट्टी का गुणधर्म क्या है?

प्रश्न 5. हवा के कोई दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

प्रश्न 27. अपने मित्र को उसके जन्म दिवस पर बधाई पत्र लिखिए।

अथवा

बुक बैंक से पुस्तके प्राप्त करने के लिए प्राचार्य महोदय को पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. पर्यावरण प्रदूषण।
2. विज्ञान वरदान या अभिशाप।
3. जीवन में खेलों का महत्व।
4. कम्प्यूटर आज की आवश्यकता।
5. अनुशासन और विद्यार्थी।

(ब) उपरोक्त निबंध विषयों में से शेष किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – दसवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. नरहरिदास।
2. रामरतन।
3. आत्मकथात्मक।
4. सम्मोहन।
5. गद्य।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

(1) गोपाल

(2) लाल रंग का।

(3) युवा पीढ़ी को।

(4) दो शब्दों का मिलन।

(5) सूरज।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही जोडियां बनाना –

	क	–	**ख**
(1)	जो बहुत बोलता हो	–	वाचाल
(2)	लम्बोदर	–	बहुब्रीहि समास
(3)	हास्य व्यायाम	–	मुंह की मांस पेशियों से

(4) गोश्रीनगर – केरल

(5) हिमालय – देश का मुकुट

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सत्य/असत्य का चयन –

(1) असत्य।

(2) असत्य।

(3) असत्य।

(4) असत्य।

(5) सत्य।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. भारत का स्वर्ग कश्मीर को कहते है।
2. संयुक्त परिवार को अक्षय वट कहा गया है।
3. कर्मवीर भाग्य के भरोसे नहीं रहते है।
4. जो बीत चुका हो उसे अतीत कहते है।
5. ईद का चांद मुहावरे का अर्थ है बहुत दिनों बाद दिखाई देना।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. घर आए मेहमान का स्वागत किसान निम्न तरह से करता है :–

मेहमान को स्नेह से बैठाकर किसान उनसे मृदु वचन बोलता है, मीठा जल पिलाता है, अपने परिश्रम से उत्पन्न अन्न से तृप्त कराता है।

किसान को हितैषी इसलिए कहा है कि वह :–

1. निंरतर कर्मरत रहकर अपनी मेहनत से खेतों को हरा–भरा करता है।
2. सम्पूर्ण समाज की भूख शान्त करता है।

3. जड़ पदार्थों को चैतन्य करता है।

4. निष्कपट भाव से किसान समाज के सभी वर्गों का कल्याण करता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मुस्कुराना इसलिए आवश्यक है क्योंकिः–

1. प्रसन्न चित्त व्यक्ति के पास बैठकर लोग अपना दुःख–दर्द भूल जाते है।
2. व्यक्ति सुख और संतोष का अनुभव करते हैं।
3. मुस्कुराने वाले व्यक्ति संसार का कलुष दूर करने वाले होते है।

मुस्कुराने से निम्नलिखित लाभ है :–

1. शरीर संतुलित रहता है।
2. चेहरे की कांति बढ़ती है।
3. अम्ल रोग कम होता है।
4. तनाव, उच्च रक्त चाप, अल्सर आदि बीमारी खत्म होती है।
5. दीर्घायु जीवन व सुखद कल्पना प्राप्त होती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. अशोक कलिंग का राजसिंहासन प्राप्त करना चाहते थे।

कलिंग युद्ध के पश्चात् अशोक ने निम्न प्रतिज्ञा की :–

1. वह किसी से छीनेगा नहीं।
2. किसी को डराएगा नहीं।
3. किसी को मारेगा नहीं।
4. हिंसा और युद्ध से विजय की कामना नही करेगा।
5. वह निश्चल प्रेम से संसार के ह्रदयों पर विजय प्राप्त करेगा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लेखक श्रीमन्नारायण अग्रवाल के अनुसार – वक्त न बढ़ाया जा सकता है न घटाया जा सकता है। धन की कीमत रोज घट–बढ़ जाती है। अगर बैंक जवाब दे दे तो एक करोड़पति मिनटों में कंगाल हो जाता है। धन की दुनिया में अमीर–गरीब, बादशाह, कंगाल का फर्क है। लेकिन समय के साम्राज्य में ऊंच–नीच का भेदभाव नहीं है। उसमें आदर्श लोकतंत्र है इन उद्धरणों से स्पष्ट है कि वक्त सबके लिए बराबर है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. कहानी में मानव जीवन के किसी एक पक्ष का मनोहारी वर्णन किया जाता है। प्रेमचन्द्र जी के अनुसार ''कहानी ऐसी रचना है जिसमें जीवन के किसी एक अंग या मनोभाव को प्रदर्शित करना लेखक का उद्देश्य रहता है।''

बाबू गुलाब राय के अनुसार ''कहानी एक स्वतः पूर्ण रचना है, जिसमें प्रभावपूर्ण व्यक्ति केन्द्रित घटना का अप्रत्याशित ढंग से उत्थान पतन दर्शाते हुए पात्रों के चरित्र पर प्रकाश डालने वाला कौतुहलपूर्ण वर्णन हो।''

कहानीकार		**काहनियां**
1. मुंशी प्रेमचन्द्र	–	पंचपरमेश्वर, पूस की रात, कफन।
2. जयशंकर प्रसाद	–	आकाशदीप, पुरस्कार, गुण्डा।
3. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	–	उसने कहा था, बुद्धू का कांटा, सुखमय जीवन।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

निबंध गद्य की एक विशिष्ट विद्या है। निबंध का आशय है 'सम्यक रूप से बंधा हुआ'।

परिभाषा :–

बाबू गुलाब राय के मतानुसार ''निबंध इस गद्य रचना को कहते है, जिसमें सीमित आकार के भीतर किसी विषय का प्रतिपादन एक विशेष निजीपन, स्वच्छंदता, सौष्ठव, सजीवता और सम्बद्धता के साथ किया गया हो।''

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार ''पद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है।''

निबंधकारों के नाम		**निबंध (रचना)**
1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	–	उत्साह।
2. भगवत शरण उपाध्याय	–	मैं मजदूर हूँ।
3. भारतेन्दु हरिशचन्द्र	–	एक अद्भूत अपूर्व स्वप्न, ईश्वर बड़ा विलक्षण है
4. बालकृष्ण भट्ट	–	चढ़ती उमर, चन्द्रोदय, बातचीत, ईश्वर भी क्या ठठोल है।

उपरोक्तानुसार परिभाषा पर 2 अंक प्रत्येक कहानी एवं कहानीकार के नाम पर 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. प्रसाद जी ने नाटकों की दो प्रमुख विशेषता निम्नलिखित है –

1. प्रसाद जी के नाटकों में ऐतिहासिकता के साथ–साथ प्रबल राष्ट्रीय भावना एवं उदान्त सांस्कृतिक चेना प्रकट होती है।
2. प्रसाद जी के नाटकों की भाषा ओजमयी एवं प्रवाहपूर्ण है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुंशी प्रेमचन्द जी को उपन्यास सम्राट कहते है।

दो प्रमुख उपन्यासों एवं रचनाकारों के नाम निम्न है–

1. गोदान – मुंशी प्रेमचन्द
2. मैला आंचल – फणशिवर नाथ रेणु।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. मुहावरों का अर्थ :–

1. अंधे की लाठी – एक मात्र सहारा।

   वाक्य– राजेश अपने पिता की देखभाल करता है। अपने भाई की मृत्यु के बाद वही अपने पिता के लिए अंधे की लाठी है।

2. मिट्टी में मिलना – बर्बाद करना, नष्ट करना।

   वाक्य– चोरी करते रंगे हाथ पकड़े जाकर कमल ने अपने पिता की इज्जत मिट्टी में मिला दी।

3. लोहा मानना – श्रेष्ठता स्वीकार करना।

   वाक्य– वाद विवाद में राधा के तर्क सुनकर सभी श्रोताओं ने उसका लोहा मान लिया।

अथवा

लोक में प्रचलित उक्ति को लोकोक्ति कहते है। कुछ उदाहरण :–

1. अपनी करनी पार उतरनी।
2. अपना हाथ जगन्नाथ।
3. एक अनार सौ बीमार।
4. एक तो करेला, दूजे नीम चढ़ा।

नोटः– छात्र उपरोक्त मुहावरे व लोकोक्ति में वाक्य स्वविवेकानुसार बना सकता है। अन्य कोई भी लोकोक्ति लिख सकता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

प्रश्न 11. वाक्य शुद्ध करना –

1. मेरे पास अनेक पुस्तकें है।
2. मुझे अनाज पिसवाने जाना है।
3. फूलों की एक माला लाओ।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

वाक्य की समाप्ति पर कुछ अधिक देर रूकने के लिए पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण– राधा सुन्दर कन्या है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. पर्यायवाची शब्द।

1. चन्द्रमा – शशि, इन्दु, मयंक।
2. सूर्य – रवि, भानु, भास्कर।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विलोम शब्द।

1. उदारता – अनुदारता।
2. सरस – नीरस।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. तद्भव शब्द।

1. भ्राता – भाई।
2. भ्रमर – भौंरा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संधि विच्छेद व संधि का नाम।

1. मत+अनुसार – दीर्घ स्वर संधि।
2. जगत्+ईश – व्यंजन संधि।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. समस्त पद व समास का नाम।

1. दशानन – बहुब्रीहि समास।
2. हस्तलिखित – तत्पुरूष समास।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

यथानिर्देश वाक्य परिवर्तन।

1. वाह! कश्मीर कितना सुंदर है।
2. तुम विद्यालय जाओ।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. वर्तनी शुद्ध करना।

1. पूजनीय।
2. आशीर्वाद।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

तत्सम शब्द।

1. नृत्य।
2. गृह।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. शबरी ने अपने आश्रम में पधारे श्रीराम व लक्ष्मण का सत्कार निम्न प्रकार से कियाः–

1. शबरी ने उनके लिए मृगचर्म का स्वच्छ आसन बिछाया तथा आदर पूर्वक बैठाया।
2. शबरी ने श्रीराम एवं लक्ष्मण को स्वादिष्ट बेर खाने को दिए। कहीं श्रीराम खट्टे बेर न खा लें इस कारण से शबरी चखकर श्रीराम को बेर देती थी।
3. स्नेह नयनों से शबरी ने श्रीराम को प्रणाम किया।

4. शबरी ने बार–बार उनसे क्षमा मांगी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जिस प्रकार नदी प्रकृति में जीर्ण–शीर्ण इमारत तथा जंगली फूल, सपाट मैदान से बिना कुछ कहे मौन रहकर गुजरती है, लेकिन जब बड़ी–बड़ी चट्टानों, दरारों से किनारों से टकराना होता है तो उस समय उसका स्वर मुखरित हो जाता है। निर्जीव उपादानों के सम्मुख विघ्न बाधाएं आती है तब वे अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए अपना मौन तोड़ती व स्वर उत्पन्न करती है। ठीक उसी प्रकार मानव समाज के ह्रदय में व्याप्त पीड़ा भी किसी न किसी रूप में अभिव्यक्त होती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. मीरा ने 'राम रतन धन' को अमोलक इसलिए कहा है, क्योंकि संसार में मिलने वाले जितने प्रकार के धन है, उन सबसे राम रतन धन अमूल्य है और यह कृष्ण रूपी भक्ति का धन है। सभी प्रकार के धन खर्च करने से घटते है, गुम हो जाते है, चोरी भी किए जा सकते है लेकिन राम रतन धन इसके विपरीत खर्च करने पर प्रतिदिन सवा गुना बढ़ता जाता है, इसे चोर भी नहीं चुरा सकता, यह नष्ट भी नहीं होता। इसलिए अमोलक है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'तुम्हारी विरासत' कविता हमें निम्न संदेश देती है –

1. गहन निराशा में भी हमें आशा की एक किरण अपने भीतर प्रकाशित कर लेना चाहिए।
2. हमें अपने भीतर निरंतर कर्मरत रहने की उष्मा बनाए रखना चाहिए।

3. निराशा के भाव छोड़ आशा के भाव जगाना चाहिए।

4. सन्नाटा कितना भी हो, हमें जीवन का बोध कराता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. कर्मवीर व्यक्ति की विशेषताएं निम्नलिखित है :–

1. कर्मवीर व्यक्ति काम से जी नहीं चुराता।
2. संकट आने पर कर्मवीर नहीं घबराता है।
3. कर्मवीर निर्भीक होता है।
4. कर्मवीर किसी कार्य को अधूरा नहीं छोड़ता।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'वह देश कौन सा है' कविता में कवि ने भारत देश की निम्नलिखित विशेषताएं बताई हैं :–

1. भारत देश की प्राकृतिक संपदा, सम्पन्नता और सुन्दरता, रोचकता से भरपूर है।
2. भारत की भूमि वनस्पतियों, फल–कंद से लदी हुई है।
3. भारत की धरती अनंत धन संपदा से भरी पड़ी है।
4. यहां की प्राकृतिक छटा निराली है।
5. भारत संसार का शिरोमणी है।
6. मैदानों, पर्वतों, जंगलों की हरियाली यहां की जनता को प्रसन्नचित्त रखती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. जब टिहरी बांध की दो सुरंगों को बन्द कर दिया गया था तब शहर में पानी भरने लगा। लोग अपने–अपने घरों को छोड़कर भागने लगे। चारों ओर पानी ही पानी हो गया। श्मशान घाट डूबने लगे, तब माटी वाली अपनी झोपड़ी से बाहर बैठी हर व्यक्ति से कहती है गरीब आदमी का शमशान नहीं उजड़ना चाहिए। शहर में पानी भर जाने से चारों ओर अफरा तफरी मच गई थी। कई आशियाने उजड़ गए तब माटी वाली द्वारा अपनी झोपड़ी उजड़ने की आशंका के संदर्भ में यह बात कही गई है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अरविन्द के मुख पर तेज था जब वे बड़ौदा में थे, तब साधनामय जीवन की ओर उन्मुख थे। एक बार नर्मदा के किनारे रंगनाथ में अरन्दि गंगामठ के स्वामी ब्रम्हानंद का दर्शन करने गए। स्वामी जी का नियम था वे किसी की ओर देखते नहीं थे। पर जब अरविन्द इनके सामने आए स्वामीजी उन्हें एक टक देखते रहे और लगातार बहुत देर तक देखते रहे।

इससे स्पष्ट होता है कि योगी अरविन्द दिव्य संस्कारों के घनी थे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. तैरते बाग, बोट हाउस एवं विद्युत का सुंदर नजारा डल झील को सुंदर बनाते है। डल झील में लोग नौका यात्रा करते है इसकी रंगीन छवि छायाकारों को आकर्षित करती है और विभिन्न कोणों से उसकी छायाचित्र लेते है। शायर इसकी उपमा देकर शायरी करते हैं यही कारण है कि इसे कश्मीर की शान कहा गया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित इस एकांकी में पारिवारिक अंतर्द्वन्द्व को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। जिस प्रकार वटवृक्ष की छाया स्थायी, शीतल और सुखद होती है, उसी प्रकार संयुक्त परिवार में परिवार के मुखिया का संरक्षण सुख और शांति बनाए रखता है। परिवार का कोई भी सदस्य परिवार से अलग होकर नीरस और सूखी डाली की निर्जीव हो सकता है। अतः उसे परिवार से अलग होने से रोकना चाहिए।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. संस्कृति जीवन के वृक्ष का संवर्धन करने वाला रस है। संस्कृति से हमारे मन एवं शरीर को सीखने का अवसर मिलता है। विभिन्न विचारधाराओं से अवगत होकर हम अपना स्वभाव, रहन–सहन, वेशभूषा, अपनी सोच एवं ज्ञान का विस्तार करते हैं यह सभी संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। इसलिए संस्कृति को जीवन के लिए आवश्यक माना गया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

द्विवेदी जी ने अपने लिये चार सिद्धांत निश्चित किए –

1. वक्त की पाबंदी,
2. रिश्वत न लेना,
3. अपना काम ईमानदारी से करना,
4. ज्ञानवृद्धि के लिए सतत प्रयत्न करते रहना।

इनके पालन में वो सतत प्रयासरत रहकर सफलता प्राप्त करने में सफल रहे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. अपने समाज और समय की विकट परिस्थितियों में भी निराश न होते हुए कवि हमारे भीतर की शक्ति को जगाना चाहते है। वे मानते है कि उस भीतर की शक्ति के बल पर हम बुझे हुए दीपक में ज्योति जगा सकते है। विपरीत से विपरीत परिस्थितियों के मध्य हम आशावादी बने रहे तभी हम निराशा और हताशा के अंधकार के बीच आशा और विश्वास का दीपक जलाने में समर्थ हो सकेंगे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मीराबाई कहती है कि मेरे सत्य की नाव का खेने वाला मेरे सतगुरू है इनके द्वारा ही मुझे सही मार्ग दिखाया गया एवं उनके उपदेश के अनुशरण से ही संसार की कठिनाईयों को मैं पार करने में समर्थ हो सकी हूँ। इन्हीं दोनों साधनों से मीरा भव–सागर पार कर सकी है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. ''कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी–बड़ी सभी डालियां उसकी छाया में बढ़ती है।'' प्रस्तुत पंक्ति दादा मूलराज द्वारा कही गई है। वे कर्मचन्द से कहते है कि बच्चों को खेलने दो, इसी में आनंद है, क्योंकि हमारा यह परिवार या कुटुम्ब एक बड़े वृक्ष बरगद के समान है। ये बच्चे उस पेड़ की शाखा प्रशाखाएं है। छोटी–बड़ी सभी शाखाएं और प्रशाखाएं ही उस वृक्ष की शीतल छाया को बढ़ाने में मदद करती है। उसी प्रकार परिवार के सभी सदस्यों की खुशी सुखदायी होती है। शीतल छाया में पंथी सुख की नींद लेता है, विश्राम कर अपनी थकान दूर करता है, उसमें स्फूर्ति व ताजगी आ जाती है, उसी प्रकार संयुक्त परिवार की खुशी देखकर व्यक्ति को परिवार से आदर्श प्राप्त करने की उम्मीद जगती है।

वास्तव में कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी बड़ी सभी डालियां उसकी छाया को बढ़ाती है। ये बच्चे हमारी खुशियों को, शांति को, संतोष को बढ़ाने में सहायक है, अतः उक्त कथन तर्क संगत है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

''प्रकृति परमात्मा का ही रूप है'' प्रसंग में प्रकृति के महत्व को सामने लाने का प्रयास किया गया है। इस प्रसंग के द्वारा प्रकृति को ईश्वर का ही दूसरा रूप कहा गया है। मानव सृष्टि का ही एक अंश है और जब मानव जड़ चेतन से अपना तादात्म्य स्थापित कर लेता है तब उसका जीवन सार्थक होता है।

पृथ्वी ने स्वयं कहा कि मुझे पहाड़, तालाब, नदियां, समुद्र आदि का बोझ नहीं मालूम पड़ता, किन्तु जब मेरे ऊपर परद्रोही यानी मेरे नियमों के विपरीत चलने वाले पैदा होते है तो मुझे उनका भार अत्यधिक मालूम पड़ता है। भूमि पूजन मात्र एक कर्मकाण्ड नहीं, यह सतत् चलते रहना चाहिए। कभी वृक्षारोपण के रूप में, कभी पर्यावरण संरक्षण के रूप में। प्रकृति को मान दे तो वह आपको सम्मान देगी क्योंकि प्रकृति परमात्मा का ही एक रूप है यह पूजनीय है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पंक्तियां मीराबाई द्वारा रचित मीरा के पद से ली गई है।

प्रसंग :– प्रस्तुत पद में भक्ति की अमूल्य पूंजी के महत्व को समझाया गया है।

व्याख्या :– कृष्ण के प्रति समर्पित भक्ति भाव से विभोर होकर मीराबाई ने कृष्ण की भक्ति को अमूल्य बताते हुए उसे सांसारिक धन से श्रेष्ठ माना है। सांसारिक धन खो सकता है, खर्च हो सकता है किंतु भक्ति रूपी धन श्रेष्ठ है वह दिन पर दिन बढ़ता जाता है। ईश्वर भक्ति रूपी धन को न तो चोर चुरा सकता है और न ही वह गंवाया जाता है। दिन प्रतिदिन उसमें वृद्धि होती जाती है। सत्य रूपी नाव को खेने वाले पार लगाने वाले सतगुरू ही है जिनकी कृपा से वे संसार

सागर को पार कर सकती है। केवल गिरधर नागर (कृष्ण) ही उनके आराध्य है, जिनका वे हर्षित होते हुए गुणगान कर अपना जीवन सफल करती है।

विशेष :–

1. शान्त रस।
2. राजस्थानी शब्दों की प्रचुरता।
3. ब्रज और गुजराती शब्दों का प्रयोग।
4. रूपक अलंकार।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संदर्भः– प्रस्तुत पंक्तियां ' वह देश कौन सा है' कविता से ली गई है।इसके कवि पं. रामनरेश त्रिपाठी है।

प्रसंगः– भारत भूमि की वन्दना व विशेषता बताई गई है।

व्याख्याः– भारत भूमि की वन्दना करते हुए कवि ने भारत को ज्ञान का उपहार देने वाला कहा है। भारत वह देश है जिसने अज्ञानता से विश्व को जगाया, शिक्षित किया, सुधारा तथा राम के आदर्श को सामने रखते हुए आदर्श पुत्र, आदर्श राजा का उदाहरण विश्व के सामने रखा, वह देश भारत ही है।

विशेषः–

भाषा – खड़ी बोली।

रस – शांत रस, श्रृंगार रस।

शब्दशक्ति – अभिधा।

शब्दगुण – माधुर्य।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. गद्यांश का सटीक शीर्षक – धरती के श्रृंगार, वृक्ष या इससे मिलते जुलते शीर्षक दिए जा सकते है।

उत्तर 2. 1. कुरूप, 2. घृणा अथवा द्वेष।

उत्तर 3. सुन्दर फूल प्रकृति द्वारा मानव पर स्नेह बरसाने का साधन है।

उत्तर 4. बदले में वृक्ष माटी से आहार और विषाक्त वायु लेते है।

उत्तर 5. वृक्ष धरती के श्रृंगार है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 26. अपठित पद्यांश के उत्तर :–

उत्तर 1. उचित शीर्षक फसल है। इससे संबंधित अन्य कोई भी हो सकता है।

उत्तर 2. फसल पर नदियों के पानी का जादू चलता है।

उत्तर 3. फसल के लिए किसान के हाथों के स्पर्श की महिमा बताई है।

उत्तर 4. भूरी काली, संदली मिट्टी का गुणधर्म फसल है।

उत्तर 5. बयार, वायु, समीर।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 27.

<u>बधाई पत्र</u>

अमूल्य सिंह सोलंकी
238, बांसवाड़ा,
राजस्थान
दिनांक 21.10.2011

प्रिय अक्षय,

अविरल स्नेह,

जन्मदिन की बहुत–बहुत बधाई। तुम्हारे जीवन का यह अठारहवां साल उमंग, मस्ती, प्रेम और सफलता से भरा पूरा हो। तुम जीवन की उंचाईयों को छुओं। मैं तुम्हारे जन्मदिन के अवसर पर तुम्हारे पास आना चाहता था किन्तु कुछ पारिवारिक कार्य आ जाने के कारण नहीं आ सका अतः क्षमाप्रार्थी हूॅ।

एक बार पुनः मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करो।

तुम्हारा मित्र

अमूल्य

संबोधन 1 अंक, विषयवस्तु मध्य 3 अंक, समापन 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्राचार्य महोदय,

चौइथराम फाउण्टेन हा.से. स्कूल,

श्रीराम तलावली धार रोड़, इन्दौर

विषय :– बुक बैंक से पुस्तकें प्रदान करने संबंधी।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैं कुमारी शिवानी देवराज सोनी कक्षा दसवीं 'अ' की छात्रा हूॅ। मेरे पिताजी एक किसान है और परिवार में हम सात सदस्य है खेती के अतिरिक्त आय का कोई साधन नहीं है। अपने अध्ययन को सुचारू बनाने के लिए आवश्यक पुस्तके क्रय करने में समर्थ नहीं हूॅ।

अतः महोदय से विनम्र प्रार्थना है कि मुझे शालेय बुक बैंक से कक्षा दसवीं की समस्त पाठ्यपुस्तकें दिलाने की कृपा करें, जिससे मैं अपना अध्ययन जारी रख सकूं। सहयोग की अपेक्षा में।

धन्यवाद

दिनांक

आपकी आज्ञाकारी शिष्या

शिवानी सोनी

कक्षा–X

संबोधन 1 अंक, विषयवस्तु मध्य 3 अंक, समापन 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. **(अ) निबंध लेखन –**

<u>वन सरंक्षण : महत्व एवं उपयुक्ता</u>

भूमिका :– मानव जीवन प्रकृति पर आश्रित है। प्रकृति का किंचित मात्र भी भूभ्रंग मानव के लिये दुःखदायी हो जाता है और प्रकृति की असीम सम्पदा मानव के स्थान की अत्यावश्यक कड़ी है इस प्राकृतिक सम्पदा से वनों का अपना अलग महत्व है इनकी उपयोगिता और महत्व किसी से छिपा नहीं हैं।

वन संरक्षण क्यों :– वनों से लाभ और उनके महत्व को ध्यान में रखकर वनों के संरक्षण पर बल दिया जाता है। वनों से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष दोनों ही प्रकार के लाभ हैं। वन आर्थिक सम्पदा के मुख्यत स्त्रोत हैं और देश की अर्थव्यवस्था वनों के कच्चे माल पर निर्भर रहती है। वन आक्रमणकारियों से सुरक्षा का कार्य

भी करते है। यद्यपि आधुनिक अस्त्रों ने युद्ध की स्थिति बदल दी है परंतु पहले यह मान्यता थी कि वह आक्रमणकारियों से हमारी रक्षा करते हैं। आधुनिक युग में भी हवाई हमलों से बचने हेतु बंकर या खाई बहुधा वनों में ही बनाई जाती थी।

भारत और वन संरक्षण :– वन रूपी प्राकृतिक सम्पदा भारत में विशेष रूप से उपलब्ध है और अति प्राचीन काल से यहां से उपयुक्तता को स्वीकार किया जा रहा है। स्वतंत्रता के बाद वन संरक्षण के महत्व को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गये। भारतीय वन एक जगह पर सामूहिक रूप से नहीं पाये जाते हैं। इसलिए इनको विकसित करने में प्रशासन को कठिनाई का अनुभव होता है। सरकार ने इस ओर भी ध्यान दिया। देश में वन विज्ञान की शिक्षा की व्यवस्था की गई और पंचवर्षीय योजना में वनों के विकास हेतु योजनाएं बनाई गई।

वन संरक्षण हेतु सुझाव :– वन संरक्षण इस देश के लिये अत्यंत लाभदायक है और इस हेतु जनता को जागरूक बनाया जाना चाहिए। योजना आयोग के अनुसार वृक्षारोपण को सफल बनाने के लिये राष्ट्र को वन–मस्तिष्कीय बनाना आवश्यक है। नागरिकों को आर्थिक और तकनीकी सहायता दी जानी चाहिए। देश में वृक्षारोपण के कार्य की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। जलाने की लकड़ी वन–संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत घातक है। बहुत से लोग वनों से लकड़ी काटते है और उन्हें ईधन के रूप में जलाते हैं इससे वनों में क्षति होती है।

उपसंहार :– वन सरंक्षण के कार्यक्रम और वनों को बढ़ाने के कार्यक्रम दोनों ही इस देश के लिये अत्यंत लाभदायक हैं। इस क्षेत्र में कुछ कार्य किये गये हैं। आवश्यकता इस बात की है कि अधिक से अधिक वृक्षों को लगाया जाए और

जो वन उपलब्ध हैं उनके संरक्षण का विशेष रूप से प्रयास किया जाए। अनेक ऐसे कानून बनाये गये है, जिनके फलस्वरूप वनों को क्षति पहुंचाना दण्डनीय अपराध माना जाता है। हमारे देश की अर्थ व्यवस्था बहुत कुछ वनों के संरक्षण पर निर्भर करती है। इसलिए हम सबका कर्तव्य है कि हम वन संरक्षण कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दें। इस दिशा में सरकार और जनता को मिल जुल कर कार्य करना होगा तभी हम अपने देश के आर्थिक विकास में वनों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे।

कुल 7 अंक

(ब) रूपरेखा–

कम्प्यूटर आज की आवश्यकता

1. प्रस्तावना
2. कम्प्यूटर क्रांति
3. कम्प्यूटर और विज्ञान
4. कम्प्यूटर और इन्टरनेट
5. कम्प्यूटर से लाभ
6. कम्प्यूटर से हानि
7. उपसंहार।

कुल 3 अंक

– – – – –